an>

Title: Need to revive Hindustan Photo Film Manufacturing Company Limited.

श्री प्रह्लाद सिंह पटेल (दमोह) : सभापति महोदया, तमिलनाडु के हिन्दुस्तान फोटो फिल्म मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी, लिमिटेड के यूनियन के लोग मुझसे मिले थे, क्योंकि मैं मजदूरों के बीच में काम करता हूं। उन्होंने हमको एक ज्ञापन दिया है। मैं दो-तीन बातें मंत्री जी के ध्यान में लाना चाहता हूं। इस कंपनी की परिसंपत्ति 17 सौ करोड़ रुपए है। वर्ष 2012 में बाजार में इसका शेयर 30 प्रतिशत था। इसमें 1000 से ज्यादा कर्मचारी अधिक हैं। एच.पी.एफ. एम.सी.एल जिस समय यह कंपनी चल रही थी उस समय 270 रु. से 290 रु. प्रति मीटर के आधार पर ही फिल्म देने का काम किया गया था। लेकिन, उस समय की जो तत्कालीन सरकार थी उसने 570 करोड़ रुपए की एक नई यूनिट लगाई और अचानक बिना उसे स्टार्ट किए कह दिया कि यह कम्पनी घाटे में है। जबकि पूरी की पूरी कंपनी डूपॉन्ट के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग से चल रही है। बिना उद्घाटन किए उसको खत्म कर दिया। आज जो रेट है, वह 600 रू से 610 रु. प्रति मीटर है। यह देश का भी नुकसान है। 1000 कर्मचारी संकट में है और जितना भी उत्पाद होता है, वह 30 प्रतिशत से ज्यादा सरकारी कार्यालयों में उपयोग होता है। एक्स-रे चाहे सेना के हों या हमारे अस्पताल के हों, उसके अलावा जो मोनोपॉली दे दी गई है, यह बिल्कुल गलत नीतियों का परिणाम है। अभी भी अगर सरकार चेते, और जो पुरानी मशीनरी रखा हुआ है, जिसका उपयोग ही नहीं हुआ है, अगर इसको शुरू कर दिया जाए तो मुझे लगता है कि सरकारी एक्स-रे के अलावा कुछ ऐसे भी क्षेत्र हैं, जैसे-कंज्यूमर इमेजिंग, सिने उत्पाद, और केमिकल प्रोसेस करना है, अगर इनमें में इसको इन्वाल्व कर दिया जाएगा, तो यह कंपनी के लिए लाभ का सौदा हो सकती है। जो कंपनियां मोनोपॉली के कारण एक तरफा मुनाफा उठा रही हैं और आयात कर के हिन्दुस्तान की संपत्ति का नुकसान किया जा रहा है, तमिलनाडु के जो 1000 से ज्यादा कर्मचारी हैं, जो उनके परिवार हैं, उनके साथ न्याय करना चाहिए।

सभापति महोदया, मैं बड़ी विनम्रता के साथ आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करूंगा कि इस यूनिट को राहत दे कर पहले प्रारंभ करें ताकि तमिलनाडु के उन कर्मचारियों को बेघर न होना पड़े। दो साल से अचानक बंद किए गए हिन्दुस्तान फोटो फिल्म मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड की जो दुर्दशा है, उसको फिर से सामान्य बनाने का काम करना चाहिए। कम्पनियां मोनोपली के कारण एक तरफा मुनाफा कमा रही हैं और आयात करके हिन्दुस्तान की सम्पति का नुकसान किया जा रहा है। तमिलनाडु की उस कम्पनी के एक हजार से ज्यादा कर्मचारियों के परिवार हैं। उनके साथ न्याय करना चाहिए। मैं आपके माध्यम से सरकार से बड़ी विनम्रता से प्रार्थना करूंगा कि उस यूनिट को राहत देकर पहले प्रारंभ किया जाए ताकि तमिलनाडु के उन कर्मचारियों को बेघर न होना पड़े। दो साल से अचानक बंद की गई हिन्दुस्तान फोटो फिल्म मैनुफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड की जो दुर्दशा है, उसे फिर से संवारने का काम किया जाना चाहिए।